डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

गोहाना, 14 अप्रैल (रामनिवास धीमान): भगत फुल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के राजनीति विज्ञान विभाग एवं इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामपाल ने की। डॉ रामपाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्षों एवं सामाजिक न्याय, समानता तथा संविधान निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं ने डॉ. अंबेडकर के विचार की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को रेखांकित किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

छात्राओं के साथ डॉ. रामपाल व अन्य।

पंजाब केसरी
TUE, 15 APRIL 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

संविधान निर्माता पर भाषण प्रतियोगिता में रविता प्रथम, भुवि द्वितीय

गोहाना, 14 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के तत्वाधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामपाल ने की।

प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉ. अम्बेडकर के जीवन, संघर्षों एवं सामाजिक न्याय, समानता तथा संविधान निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

छात्राओं ने डॉ. अंबेडकर के विचार की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को रेखांकित किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। भाषण प्रतियोगिता में रविता प्रथम, भुवि द्वितीय और कविता तृतीय स्थान पर रहे।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसे आयोजन डॉ. अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं को लोकतंत्र, समानता और सामाजिक समरसता के मूल्यों के प्रति जागरूक करने का एक प्रेरणादायक अवसर होते हैं तथा उन्हें भविष्य में भी सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

अंबेडकर जयंती पर हुई प्रतियोगिता की प्रतिभागी छात्राएं। (अरोड़ा)

संविधान निर्माता पर भाषण प्रतियोगिता में रविता प्रथम

गोहाना मुद्रिका एप, 14 अप्रैल : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के तत्वाधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामपाल ने की।

प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्षों एवं सामाजिक न्याय, समानता तथा संविधान निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं ने डॉ. अंबेडकर के विचार की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को रेखांकित किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। भाषण प्रतियोगिता में रविता प्रथम, भुवि द्वितीय और कविता तृतीय स्थान पर रहे। महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि ऐसे आयोजन डॉ. अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं को लोकतंत्र, समानता और सामाजिक समरसता के मूल्यों के प्रति जागरूक करने का एक प्रेरणादायक अवसर होते है तथा उन्हें भविष्य में भी सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए प्रेरित करते है।

भाषण में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

गोहाना| बीपीएस महिला विवि में राजनीति विज्ञान व इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर भाषण प्रतियोगिता कराई। प्रतियोगिता में रविता प्रथम, भुवि द्वितीय व कविता तृतीय रहीं। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसे आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं को लोकतंत्र, समानता और सामाजिक समरसता के मूल्यों के प्रति जागरूक करने का एक प्रेरणादायक अवसर होते हैं। डॉ. रामपाल ने कहा कि प्रतियोगिता में बच्चों ने शानदान प्रदर्शन किया ।

भगत फूल सिंह महिला विवि में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाषण प्रतियोगिता

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) खानपुर कलां के राजनीति विज्ञान विभाग एवं इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामपाल ने की। उन्होंने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्षों एवं सामाजिक न्याय, समानता तथा संविधान निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं ने डॉ. अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह के आयोजन डॉ. अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं को लोकतंत्र, समानता और सामाजिक समरसता के मूल्यों के प्रति जागरूक करने का एक प्रेरणादायक अवसर होते हैं।